प्रतिवेदन

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

मातृभाषा में जीवन व्यवहार और शिक्षा

21 से 28 फरवरी 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M. P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय / A Central University)
(नैक द्वारा A+ प्रत्यायित / A+ NAAC Accredited)

प्रो. नीलिमा गुप्ता
Prof. Neelima Gupta
कुलपति / Vice-Chancellor

Ex Vice-Chancellor
CSJM University, Kanpur
Tilka Manjhi Bhagalpur University, Bhagalpur
Munger University, Munger (Addl. Charge)

:: संदेश ::

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में 21 से 28 फरवरी, 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा सप्ताह का आयोजन विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। निःसंदेह अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा सप्ताह का आयोजन मातृभाषाओं और स्थानीय भाषाओं के संदर्भ में एक नवाचारी और अनूठा कदम है। समय-समय पर विश्वविद्यालय में ऐसे अनूठे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों में जागरुकता का संचार हो सके। मातृभाषा दिवस का आयोजन हमें तकनीकी केंद्रित आधुनिकता की अंधी दौड़ से बचाकर हमारी भाषाओं को संवर्धित और संरक्षित करने की ओर अग्रसर करता है ताकि हम आने वाली पीढ़ियों को संस्कारित कर सकें। इसी के साथ हमारी लोक चेतना जो हमारी मातृभाषाओं द्वारा पुष्ट हुई है उसे भी हम भावी पीढ़ियों को हस्तांतरित कर पाएँगे। मातृभाषा पर केंद्रित यह आयोजन युवाओं को अपनी भाषा पर गर्व की अनुभूति दिलाने के लिए की गई पहल है ताकि युवा वर्ग अपनी भाषाओं के महत्त्व को पहचाने और उसके विकास में अपना योगदान दे सकें। ऐसा करके ही हम हमारी संस्कृति, सभ्यता, लोक और स्व-अस्तित्व को अक्षुण्ण रख पाएंगे।

मैं, सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आयोजकों को इसके सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं।

(प्रो. नीलिमा गुप्ता)

☎ (Office) : (07582) - 264796, E-mail : vc@dhsgsu.edu.in, Website : www.dhsgsu.edu.in

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
Shiksha Sanskriti Uthan Nyas
देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलो
अध्यक्ष : दीनानाथ बत्रा सचिव : अतुल कोठारी

शुभकामना संदेश

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 21 से 28 फरवरी 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसका विषय **''मातृभाषा में जीवन व्यवहार और शिक्षा''** रखा गया था।

हम सब जानते है कि मातृभाषा केवल अभिव्यक्ति, संप्रेषण का साधन ही नहीं अपितु मानवीय अस्मिता तथा सृजनात्मकता का सशक्त माध्यम एवं संस्कृति की संवाहिका होती है। वैश्वीकरण के इस दौर में मातृभाषाओं के माध्यम से ही मानव की लोक संस्कृति और सभ्यता को अक्षुण्ण बनाए रखा जा सकता है।

इस आयोजन के लिए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास परिवार की ओर से विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता जी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ कि उनके मार्गदर्शन में यह महत्वपूर्ण एवं पुनीत कार्य संपन्न हुआ।

मैं, इस साप्ताहिक कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल और सभी आयोजकों को इसकी सफलता के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ, साथ ही आशा करता हूँ कि इन सभी कार्यक्रमों के अनुवर्तन एवं उनके क्रियान्वयन की कार्ययोजना का भी विचार किया होगा।

(डॉ. अतुल कोठारी)
राष्ट्रीय सचिव

सरस्वती बाल मन्दिर, जी ब्लाक, नारायणा विहार, नई दिल्ली
Saraswati Bal Mandir, G Block, Narayana Vihar, New Delhi-110028
दूरभाष : 011- 25898023 | E-mail : atulssun@gmail.com | Website: www.bhartiyashiksha.com @Shiksha Sanskriti

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास,नई दिल्ली

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

"मातृभाषा में जीवन व्यवहार और शिक्षा"

21 -28 फरवरी,2024

प्रो.नीलिमा गुप्ता
माननीया कुलपति
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर (म.प्र.)

डॉ. अतुल भाई कोठारी
राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास,
नई दिल्ली

नोडल अधिकारी
प्रो.अजीत जायसवाल
निदेशक
संकाय गतिविधियां
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर (म.प्र.)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं शिक्षा संस्कृति न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर 'मातृभाषा में जीवन व्यवहार और शिक्षा' विषय पर दिनांक 21 से 28 फरवरी, 2024 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन निम्नानुसार किया गया.

- 21 फरवरी को विश्वविद्यालय बैंक एवं डाकघर में स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान
- 22 फरवरी को अभिमंच सभागार में मातृभाषा विषयक व्याख्यान
- 23 से 25 फ़रवरी तक अभिमंच सभागार में मातृभाषा हस्ताक्षर अभियान
- 26 फ़रवरी विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में स्वभाषा में नाम पट्टिका अभियान एवं विशेष व्याख्यान
- 27 फरवरी को केन्द्रीय विद्यालय एवं बालिका छात्रावासों में मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये.
- 28 फरवरी को विश्वविद्यालय के गौर समिति कक्ष में समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय, सागर के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी मुख्य अतिथि रहे.

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी फैकल्टी अफेयर्स के निदेशक प्रो. अजीत जायसवाल रहे.

कार्यक्रम विवरण

क्रमांक	दिनांक	कार्यक्रम	कार्यक्रम स्थल	समन्वयक
1	21 फरवरी 2024	स्वभाषा में हस्ताक्षर हेतु अभियान	विश्वविद्यालय बैंक/डाकघर	डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा
2	22 फरवरी 2024	मातृभाषा विषयक व्याख्यान 1.प्रो.ए.पी.मिश्रा आचार्य, रसायनशास्त्र विभाग 2. प्रो.अनिल जैन आचार्य, शिक्षाशास्त्र, विभाग	अभिमंच सभागार	डॉ. रजनीश अग्रहरि
3	23 से 25 फ़रवरी 2024	मातृभाषा हस्ताक्षर अभियान	अभिमंच सभागार	1. डॉ. आशुतोष 2. डॉ. सुनीत वालिया 3. डॉ.संजय शर्मा
4	26 फ़रवरी 2024	स्वभाषा में नाम पट्टिकाअभियान	विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग एवं कार्यालय	1. डॉ. आयुष गुप्ता 2. डॉ.संजय शर्मा
5	27 फ़रवरी 2024	मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन 1. विद्यालय स्तर एवं कार्यालय 2. विश्वविद्यालय स्तर	1. केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 2. बालिका छात्रावास	1. श्री अनिल जैन 2. डॉ वंदना राजौरिया 3. डॉ शिवानी खरे
6	28 फ़रवरी 2024	समापन प्रसंग मुख्य अतिथि डॉ. अजय तिवारी	गौर समिति कक्ष	1. डॉ आयुष गुप्ता 2. डॉ वंदना राजौरिया

21 फरवरी 2024

विश्वविद्यालय में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर 21 से 28 फरवरी 2024 तक साप्ताहिक आयोजन किया जा रहा है. इस क्रम में विश्वविद्यालय स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा परिसर एवं विवि पोस्ट ऑफिस में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान

चलाया गया. अभियान के तहत उपस्थित नागरिकों से संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर करवाए गये. बैंक एवं पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर करने का संकल्प लिया. इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर अजीत जायसवाल, प्रो. के. एन. झा, डॉ. शशि कुमार सिंह, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रमाकांत, डॉ. रविदास अहिरवार, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. नेत्रपाल सिंह, डॉ. आयुष गुप्ता, बैंक प्रबंधक मनीष चौधरी, उपसंभागीय निरक्षक डाक जयप्रकाश आदि उपस्थित रहे.

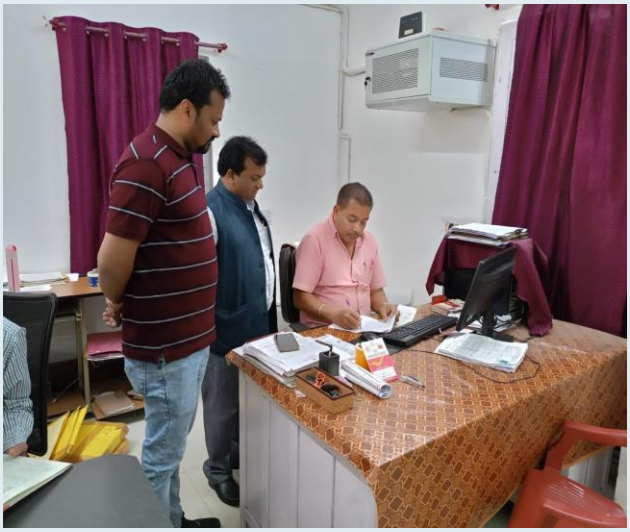

22 फरवरी 2024

मातृभाषा हमारी अस्मिता, सामाजिकता और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रतीक है

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 21 फरवरी से 28 फरवरी, 2024 तक मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सप्ताह के द्वितीय दिवस में दिनांक

22 फरवरी 2024 को मातृ भाषा विषयक व्याख्यान जिसका शीर्षक: 'मातृ भाषा में जीवन व्यवहार एवं शिक्षा' का आयोजन विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन प्रशिक्षण केंद्र, सागर (पूर्ववर्ती मानव संसाधन केंद्र) में माननीय कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता जी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में प्रातः 11 बजे से आयोजित किया गया है. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल कुमार जैन विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग ने मातृ भाषा के आवश्यकता एवं उपादेयता पर बात करते हुए कहा कि मातृभाषा सिर्फ सम्प्रेषण या अभिव्यक्ति का माध्यम ही नही है बल्कि भारत जैसे बहुभाषी देश में या जीवन व्यवहार एवं शिक्षा का मूलभूत आधार भी है, विश्व के सभी देशों में विकासात्मक मॉडल में अपनी मातृभाषा के समावेशन का प्रतिविम्ब समाहित है. कार्यक्रम नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल, निदेशक, संकाय मामले ने मातृभाषा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किये जा रहे विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमे यह निश्चित रूप से सोचना चाहिए कि आज हमें मातृभाषा को लेकर दिवस मनाने की परम्परा क्यों आरम्भ करनी पड़ी. सार्वभौमिकीकरण के इस युग में भाषा हमारी सामाजिकता, सांस्कृतिक उन्नयन एवं अस्मिता का महत्वपूर्ण प्रतीक है, हमें अपने जीवन व्यवहार एवं शिक्षा में मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ाना ही होगा.

कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. रजनीश, मंच संचालन डॉ. पुष्पिता एवं डॉ. सावन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नवीन सिंह ने किया. इस अवसर पर डॉ. रानी दुबे, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. धर्मेंद्र सर्राफ़, डॉ. अभिषेक, डॉ. मेघा दास, डॉ. चिंतन, अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ.शिवशंकर, डॉ.योगेश, डॉ. शकीला सहित शिक्षक, शोधार्थी, एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे.

23-25 फरवरी 2024

विश्वविद्यालय परिसर में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर 21 से 28 फरवरी 2024 तक साप्ताहिक आयोजन किया जा रहा है. इस क्रम में

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार परिसर में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया. अभियान श्रृंखला में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हस्ताक्षर पटल पर अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए. शिक्षा विभाग में आयोजित किये जा रहे कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पधारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की

कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए। उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए. इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर अजीत जायसवाल, डॉ. आशुतोष, डॉ. सुनीत वालिया, डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा सहित कई विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे.

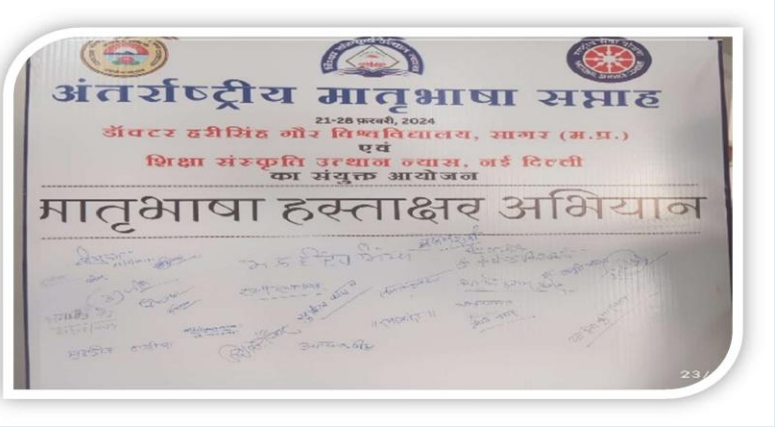

26 फरवरी 2024

विश्वविद्यालय: स्वभाषा के प्रयोग हेतु कार्यालयों में संपर्क अभियान चलाया

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा सप्ताह के अन्तर्गत चतुर्थ कार्यक्रम के रूप में स्वभाषा में नाम पट्टिका एवं कार्यालयों में हिन्दी एवं मातृभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया गया. इस अभियान की संरक्षिका विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता जी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल उपस्थित रहे. कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, संकाय मामले कार्यालय एवं अन्य कार्यालयों में संपर्क किया गया. कार्यालयों में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा हिन्दी एवं मातृभाषा के अधिकाधिक प्रयोग हेतु सकारात्मक प्रतिक्रिया दी.

27 फरवरी 2024

‘यदि देश को हो आगे बढ़ाने की आशा तो अपनाओं मातृभाषा’ डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

27 फरवरी को रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास में मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति न्यास द्वारा मातृ भाषा दिवस का आयोजन 21 फरवरी से 28 फरवरी किया जा रहा है. जिसके अंतर्गत दिनांक 27 फरवरी 2024 को विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एम.एस. कर्णा, डॉ. अनुपमा चंदा एवं मुख्य प्रतिपालिका डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. प्रीति बागड़े, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. सुप्रभा दास, डॉ. स्वेता शर्मा आदि उपस्थित रहे. इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना राजोरिया एवं शिवानी खरे रही. प्रतियोगिता में निवेदिता, सरस्वती तथा रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास की छात्राओं ने भाग लिया. छात्राओं ने हिंदी, अवधी, कन्नड़, उड़िया, बुंदेली इत्यादि भाषाओं में अपनी कवितायें, कहानियां तथा रचनात्मक लेख प्रस्तुत किये. छात्राओं ने बुंदेली संस्कृति, अवध के राममंदिर, छात्रावास में उनका जीवन, कर्नाटक के छोटे से सागर से म.प्र. के विशाल सागर तक का सफर, पिता की भूमिका आदि विषयों पर रचनात्मक लेखन किया. अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, प्रतियोगिता का उद्देश्य भाषाई विविधता को बढ़ावा देना और मातृभाषाओं की समृद्धि का जश्न मनाना था. जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर अपनी-अपनी मातृभाषा में अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और इस प्रतियोगिता के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया.

इस मातृभाषा दिवस के समापन समारोह में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरुस्कृत किया गया.

28 फरवरी 2024

मातृभाषा प्रेम, स्नेह और समर्पण की भाषा है- डॉ. अजय तिवारी

विश्वविद्यालय में मातृभाषा सप्ताह कार्यक्रम का समापन प्रसंग आयोजित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर 21 से 28 फरवरी 2024 तक साप्ताहिक आयोजन किया गया जिसका समापन प्रसंग

कुलसचिव सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी ने उद्बोधन देते हुए कहा कि मातृभाषा स्नेह, लगाव, प्रेम और समर्पण की भाषा है. मनुष्य पैदा होने के साथ ही मातृभाषा से जुड़ जाता है. इस भाषा में अपनत्व के कारण मनुष्य अपनी माँ से जुड़ जाता है. दुनिया की महान रचनाएं मूलतः मातृभाषा में ही लिखी गई हैं. आज इंजीनियरिंग, मेडिकल जैसी पढ़ाई स्थानीय भाषाओं में होने लगी है. सरकारी दस्तावेजों के प्रारूपों एवं काम-काज में भी स्थानीय भाषा का उपयोग बढ़ा है. उन्होंने त्रिभाषा सूत्र की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कई भारतीय भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं. हम

सबका कर्तव्य है कि हम अपनी भाषा को बचाएं, संरक्षित करें. यह तभी संभव है जब हम अपनी मातृभाषा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें. स्वभाषा मनुष्यता की भाषा है, संवेदना की भाषा है. मौलिक सोच एवं विचार मातृभाषा में ही आते हैं. उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत किये जाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी. सम्पूर्ण आयोजन के नोडल अधिकारी एवं संकाय मामले के निदेशक प्रो. अजीत जायसवाल ने कहा कि मातृभाषा से प्रेम नैसर्गिक है. तमाम शिक्षा नीतियों के बावजूद लंबे समय तक मातृभाषा शिक्षा की भाषा नहीं बन पाई. आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से यह साकार हो रहा है. मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए क्योंकि यह हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है, संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है तथा यह हमें दूसरों से जोड़ने में मदद करती है. हमें सांसारिक ज्ञान मातृभाषा में

ही मिलता है. आज हम संकल्प लें कि हम ज्यादा से ज्यादा अपनी मातृभाषा का प्रयोग करेंगे तभी हम इसे जीवंत रख पाएंगे. इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय एवं विश्वविद्यालय छात्रावास में आयोजित मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. वंदना राजोरिया ने किया तथा साप्ताहिक आयोजन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस अवसर विवि मीडया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. किरण आर्या, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. ममता सिंह, डॉ. सुखदेव बाजपेयी, डॉ. उमेश आर्य, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य आर एस वर्मा, शिवानी खरे तथा कई विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे.

खबरों में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सप्ताह

विवि...अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने मातृभाषा में हस्ताक्षर करने का संकल्प लिया

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर साप्ताहिक कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ हुआ। विवि स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा परिसर एवं पोस्ट ऑफिस में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। नागरिकों से संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर करवाए गए। बैंक एवं पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर करने का संकल्प लिया। इस मौके पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अंजीत जायसवाल, प्रो. केएन झा, डॉ. शशि कुमार सिंह, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रमाकांत आदि मौजूद थे।

मातृभाषा हस्ताक्षर अभियान चलाया

नवभारत न्यूज

सागर 21 फरवरी. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में विवि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा परिसर एवं विवि पोस्ट ऑफिस में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया.

अभियान के तहत बैंक एवं पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर करने का संकल्प लिया. इस अवसर पर प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. केएन झा, डॉ. शशि कुमार सिंह, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रमाकांत, डॉ. रविदास अहिरवार मौजूद थे.

मातृभाषा हमारी अस्मिता, सामाजिकता व सांस्कृतिक उन्नयन का प्रतीक: अजीत

सागर (आरएनएन)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 21 से 28 फरवरी तक मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सप्ताह के द्वितीय दिवस में 22 फरवरी को मातृ भाषा विषयक व्याख्यान हुआ। जिसका शीर्षक मातृ भाषा में जीवन व्यवहार एवं शिक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन प्रशिक्षण केंद्र पूर्ववर्ती मानव संसाधन केंद्र में कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में प्रातः 11 बजे से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल कुमार जैन विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग ने मातृ भाषा के आवश्यकता एवं उपादेयता पर बात करते हुए कहां कि मातृभाषा सिर्फ सम्प्रेषण या अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं है बल्कि भारत जैसे बहुभाषी देश में या जीवन व्यवहार एवं शिक्षा का मूलभूत आधार भी है। विश्व के सभी देशों में विकासात्मक मॉडल में अपनी मातृभाषा के समावेशन का प्रतिविम्ब समाहित है। कार्यक्रम नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल, निदेशक, संकाय मामले ने मातृभाषा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किये जा रहे विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमे यह निश्चित रूप से सोचना चाहिए कि आज हमें मातृभाषा को लेकर दिवस मनाने की परम्परा क्यों आरम्भ करनी पड़ी सार्वभौमिकीकरण के इस युग में भाषा हमारी सामाजिकता, सांस्कृतिक उन्नयन एवं अस्मिता का महत्वपूर्ण प्रतीक है। हमें अपने जीवन व्यवहार एवं शिक्षा में मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ाना ही होगा। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. रजनीश, मंच संचालन डॉ. पुष्पिता एवं डा. सावन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नवीन सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. रानी दुबे, डॉ.रश्मि जैन, डॉ.धर्मेंद्र सर्राफ डॉ.अभिषेक, डॉ.मेघा दास, डॉ.चिंतन, अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ शिवशंकर, डॉ. योगेश, डॉ. शकीला सहित शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मातृभाषा हमारी अस्मिता, सामाजिकता और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रतीक है

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते हुए अतिथि। • नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वाधान में मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सप्ताह के द्वितीय दिवस गुरुवार को मातृ भाषा में जीवन व्यवहार एवं शिक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन प्रशिक्षण केंद्र में किया गया।

सागर (पूर्ववर्ती मानव संसाधन केंद्र) में कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में प्रातः 11 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल कुमार जैन विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग ने मातृ भाषा के आवश्यकता एवं उपादेयता पर बात करते हुए कहा कि मातृभाषा सिर्फ सम्प्रेषण या अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं है बल्कि भारत जैसे बहुभाषी देश में या जीवन व्यवहार एवं शिक्षा का मूलभूत आधार भी है। विश्व के सभी देशों में विकासात्मक माडल में अपनी मातृभाषा के समावेशन का प्रतिविम्ब समाहित है।

हमें अपने जीवन व्यवहार एवं शिक्षा में मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ाना ही होगा: कार्यक्रम नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल, निदेशक, संकाय मामले ने कहा कि हमें यह सोचना चाहिए कि आज हमें मातृभाषा को लेकर दिवस मनाने की परम्परा क्यों आरम्भ करनी पड़ी। सार्वभौमिकीकरण के इस युग में भाषा हमारी सामाजिकता, सांस्कृतिक उन्नयन एवं अस्मिता का महत्वपूर्ण प्रतीक है। हमें अपने जीवन व्यवहार एवं शिक्षा में मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ाना ही होगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा डा. रजनीश, मंच संचालन डा. पुष्पिता एवं डा. सावन एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. नवीन सिंह ने किया। इस अवसर पर डा. रानी दुबे, डा. रश्मि जैन, डा. धर्मेंद्र सर्राफ़, डा. अभिषेक, डा. मेघा दास, डा. चिंतन, अपर्णा श्रीवास्तव, डा. शिवशंकर, डा. योगेश, डा. शकीला उपस्थित रहे।

मातृभाषा हमारी अस्मिता, सामाजिकता और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रतीक : प्रो. जैन

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सप्ताह के दूसरे दिन गुरुवार को मातृ भाषा विषयक व्याख्यान हुआ।

मातृभाषा में जीवन व्यवहार एवं शिक्षा विषय पर हुए इस व्याख्यान को लेकर मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार जैन विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग ने कहा मातृभाषा सिर्फ सम्प्रेषण या अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि भारत जैसे बहुभाषी देश में जीवन व्यवहार व शिक्षा का मूलभूत आधार भी है। विश्व के सभी देशों में विकासात्मक मॉडल में अपनी मातृभाषा के समावेशन का प्रतिविम्ब समाहित है। कार्यक्रम नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल ने कहा हमें यह निश्चित रूप से सोचना चाहिए कि आज हमें मातृभाषा को लेकर दिवस मनाने की परम्परा क्यों आरंभ करनी पड़ी। सार्वभौमिकीकरण के इस युग में भाषा हमारी सामाजिकता, सांस्कृतिक उन्नयन व अस्मिता का महत्वपूर्ण प्रतीक है। हमें अपने जीवन व्यवहार एवं शिक्षा में मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ाना ही होगा। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. रजनीश, मंच संचालन डॉ. पुष्पिता व आभार डॉ. सावन ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. रानी दुबे, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. धर्मेंद्र सर्राफ, डॉ. अभिषेक,डॉ. मेघा दास, डॉ. चिंतन, अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. शिवशंकर, डॉ. योगेश सहित शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय परिसर में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरिसिंह गौर विवि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर 21 से 28 फरवरी तक साप्ताहिक आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अभिमंच सभागार परिसर में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान श्रृंखला में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हस्ताक्षर पटल पर अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर किये। शिक्षा विभाग में आयोजित किये जा रहे कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पधारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. आशुतोष, डॉ. सुनीत वालिया, डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा सहित कई विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

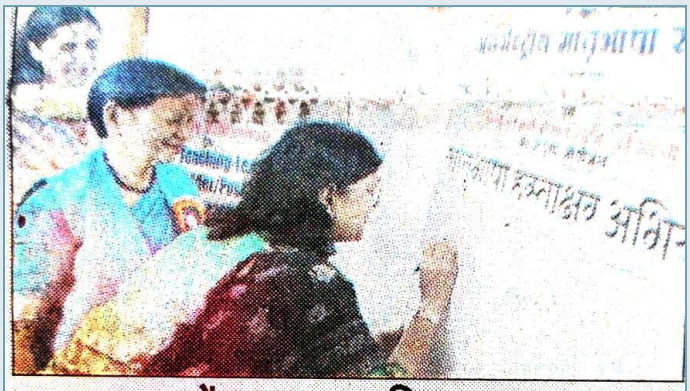

मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर साप्ताहिक आयोजन किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार परिसर में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया. अभियान श्रृंखला में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हस्ताक्षर पटल पर मातृभाषा में हस्ताक्षर किए. शिक्षा विभाग में आयोजित किये जा रहे कार्यशाला में मुख्य अतिथि उप राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए. उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए.

विवि में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर सात दिवसीय आयोजन चल रहे हैं। शुक्रवार को विवि के अभिमंच सभागार परिसर में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान श्रृंखला में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हस्ताक्षर पटल पर अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए। शिक्षा विभाग में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि आई उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए। उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने भी मातृभाषा में हस्ताक्षर किए।

हिंदी व मातृभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने चलाया अभियान

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा सप्ताह के अन्तर्गत चतुर्थ कार्यक्रम के रूप में स्वभाषा में नाम पट्टिका एवं कार्यालयों में हिन्दी एवं मातृभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान की संरक्षिका विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल उपस्थित रहे। कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, संकाय मामले कार्यालय एवं अन्य कार्यालयों में संपर्क किया गया। कार्यालयों में विवि के कर्मचारियों द्वारा हिन्दी एवं मातृभाषा के अधिकाधिक प्रयोग के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सागर। सागर के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के सहयोग से मप्र की कला एवं संस्कृति विषय पर 28 एवं 29 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन अभिमंच सभागार में होगा। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रुप में प्रो. आलोक त्रिपाठी, अतिरिक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग होंगे।

स्वभाषा के प्रयोग के लिये कार्यालयों में संपर्क अभियान चलाया

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा सप्ताह के अन्तर्गत चतुर्थ कार्यक्रम के रूप में स्वभाषा में नाम पट्टिका एवं कार्यालयों में हिन्दी एवं मातृभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान की संरक्षिका विवि की कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल उपस्थित रहे। कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, संकाय मामले कार्यालय एवं अन्य कार्यालयों में संपर्क किया। कार्यालयों में विवि के कर्मचारियों द्वारा हिन्दी एवं मातृभाषा के अधिकाधिक प्रयोग हेतु सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

स्वभाषा मनुष्यता और संवेदना की भाषा है: डॉ. तिवारी

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर। डॉ. अजय तिवारी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

मातृभाषा स्नेह, लगाव, प्रेम और समर्पण की भाषा है। मनुष्य पैदा होने के साथ ही मातृभाषा से जुड़ जाता है। इस भाषा में अपनत्व के कारण मनुष्य अपनी मां से जुड़ जाता है। दुनिया की महान रचनाएं मूलतः मातृभाषा में ही लिखी गई हैं। आज इंजीनियरिंग, मेडिकल जैसी पढ़ाई स्थानीय भाषाओं में होने लगी है। सरकारी दस्तावेजों के प्रारूपों एवं कामकाज में भी स्थानीय भाषा का उपयोग बढ़ा है।

यह बात स्वामी विवेकानंद विवि के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी ने बतौर मुख्य अतिथि डॉ. हरीसिंह गौर विवि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर साप्ताहिक आयोजन के समापन पर कही।

उन्होंने कहा कई भारतीय भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं। हम सबका कर्तव्य है कि हम अपनी भाषा को बचाएं, संरक्षित करें। यह तभी संभव है जब हम अपनी मातृभाषा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। स्वभाषा मनुष्यता की भाषा है, संवेदना की भाषा है। मौलिक सोच एवं विचार मातृभाषा में ही आते हैं। नोडल अधिकारी प्रो. अजीत जायसवाल ने कहा मातृभाषा से प्रेम नैसर्गिक है। तमाम शिक्षा नीतियों के बावजूद लंबे समय तक मातृभाषा शिक्षा की भाषा नहीं बन पाई। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से यह साकार हो रहा है। मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए क्योंकि यह हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है, संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है तथा यह हमें दूसरों से जोड़ने में मदद करती है। हमें सांसारिक ज्ञान मातृभाषा में ही मिलता है। आज हम संकल्प लें कि हम ज्यादा से ज्यादा अपनी मातृभाषा का प्रयोग करेंगे तभी हम इसे जीवंत रख पाएंगे।

इस दौरान केंद्रीय विद्यालय एवं विश्वविद्यालय छात्रावास में हुई मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे विद्यार्थियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। संचालन डॉ. वंदना राजोरिया ने किया। इस मौके मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. किरण आर्या, डॉ. ममता सिंह, डॉ. सुखदेव बाजपेयी, डॉ. उमेश आर्य, केवी के प्राचार्य आरएस वर्मा, शिवानी खरे आदि मौजूद थे।

विवि में मातृभाषा सप्ताह कार्यक्रम का समापन

मातृभाषा प्रेम, स्नेह और समर्पण की भाषा है : डा. अजय तिवारी

मातृभाषा मे जीवन और व्यवहार विषय पर साप्ताहिक आयोजन हुआ।● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा हरीसिंह गौर विवि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर साप्ताहिक आयोजन का समापन कुलसचिव सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलाधिपति डा. अजय तिवारी ने कहा कि मातृभाषा स्नेह, लगाव, प्रेम और समर्पण की भाषा है। मनुष्य पैदा होने के साथ ही मातृभाषा से जुड़ जाता है। इस भाषा में अपनत्व के कारण मनुष्य अपनी मां से जुड़ जाता है। दुनिया की महान रचनाएं मूलतः मातृभाषा में ही लिखी गई हैं। आज इंजीनियरिंग, मेडिकल जैसी पढ़ाई स्थानीय भाषाओं में होने लगी है। सरकारी दस्तावेजों के प्रारूपों एवं काम-काज में भी स्थानीय भाषा का उपयोग बढ़ा है। उन्होंने त्रिभाषा सूत्र की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कई भारतीय भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं। हम सबका कर्तव्य है कि हम अपनी भाषा को बचाएं, संरक्षित करें। यह तभी संभव है जब हम अपनी मातृभाषा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। स्वभाषा मनुष्यता की भाषा है, संवेदना की भाषा है। मौलिक सोच एवं विचार मातृभाषा में ही आते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विद्यार्थियों को बधाई दी। आयोजन के नोडल अधिकारी एवं संकाय मामले के निदेशक प्रो. अजीत जायसवाल ने कहा कि मातृभाषा से प्रेम नैसर्गिक है। तमाम शिक्षा नीतियों के बावजूद लंबे समय तक मातृभाषा शिक्षा की भाषा नहीं बन पाई। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से यह साकार हो रहा है। मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए, क्योंकि यह हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है, संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है तथा यह हमें दूसरों से जोड़ने में मदद करती है। हमें सांसारिक ज्ञान मातृभाषा में ही मिलता है। आज हम संकल्प लें कि हम ज्यादा से ज्यादा अपनी मातृभाषा का प्रयोग करेंगे, तभी हम इसे जीवंत रख पाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय एवं विश्वविद्यालय छात्रावास में आयोजित मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. वंदना राजोरिया ने किया तथा साप्ताहिक आयोजन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर विवि मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल, डा. किरण आर्या, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के शिक्षक डा. ममता सिंह, डा. सुखदेव बाजपेयी, डा. उमेश आर्य, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य आरएस वर्मा, शिवानी खरे तथा कई विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

डॉ.हरीसिंह गौर विवि में मातृभाषा सप्ताह कार्यक्रम का समापन

जागरण, सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर 21 से 28 फरवरी तक साप्ताहिक आयोजन किया गया जिसका समापन बुधवार को हुआ। आयोजन के नोडल अधिकारी एवं संकाय मामले के निदेशक प्रो.अजीत जायसवाल ने कहा कि मातृभाषा से प्रेम नैसर्गिक है। तमाम शिक्षा नीतियों के बावजूद लंबे समय तक मातृभाषा शिक्षा की भाषा नहीं बन पाई। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से यह साकार हो रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय एवं विश्वविद्यालय छात्रावास में आयोजित मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.वंदना राजोरिया ने किया तथा साप्ताहिक आयोजन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर विवि मीडया अधिकारी डॉ.विवेक जायसवाल, डा.किरण आर्या, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के शिक्षक डा.ममता सिंह, डॉ.सुखदेव बाजपेयी, डॉ.उमेश आर्य, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य आर एस वर्मा, शिवानी खरे तथा कई विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

मातृभाषा प्रेम, स्नेह और समर्पण की भाषा है: डॉ. अजय तिवारी

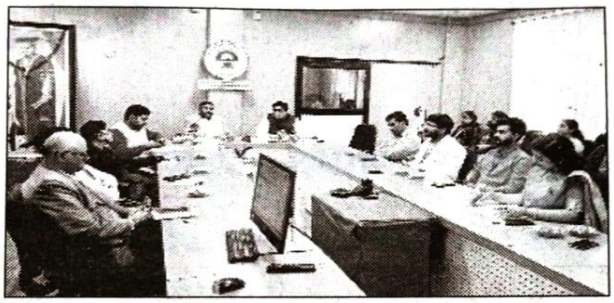

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मातृभाषा में जीवन और व्यवहार विषय पर 21 से 28 फरवरी तक साप्ताहिक आयोजन किया गया जिसका समापन प्रसंग कुलसचिव सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी विवेकानंद विवि के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि मातृभाषा स्नेह, लगाव, प्रेम और समर्पण की भाषा है। मनुष्य पैदा होने के साथ ही मातृभाषा से जुड़ जाता है। इस भाषा में अपनत्व के कारण मनुष्य अपनी मां से जुड़ जाता है। कई भारतीय भाषाये विलुप्त होने के कगार पर हैं। हम सबका कर्तव्य है कि हम अपनी भाषा को बचाये, संरक्षित करें। सम्पूर्ण आयोजन के नोडल अधिकारी एवं संकाय मामले के निदेशक प्रो. अजीत जायसवाल ने कहा कि मातृभाषा से प्रेम नैसर्गिक है। तमाम शिक्षा नीतियों के बावजूद लंबे समय तक मातृभाषा शिक्षा की भाषा नहीं बन पाई। मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए क्योंकि यह हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है, संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है तथा यह हमें दूसरों से जोड़ने में मदद करती है। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय एवं विवि छात्रावास में आयोजित मातृभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वंदना राजोरिया ने किया तथा साप्ताहिक आयोजन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर विवि मीडया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. किरण आर्या तथा कई विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www. www.dhsgsu.edu.in